(1) नयी तालीम- 1 - 42

(2) शराब बंदी - 43 - 67

(3) नगर सर्वोदय कार्य- 68 - 85

(4) पंचायती राज्य - 86 - 93

www.vinoba.in

# न यी - ता ली म

अनुक्रमणिका


**सर्व सेवा संघ रजिस्टर :**

| | स्थान | तारीख | टाईप पृ०नं० |
|---|---|---|---|
| (1) पाटणकरजी का निवेदन तथा सुमनताई के सुझाव । | पटना | 9-4-62 | 1 |
| (2) | | | |

**प्रबंध समिति रजिस्टर :**

| | स्थान | तारीख | टाईप पृ०नं० |
|---|---|---|---|
| (1) तालीम संघ के मासिक ट्रायल बॅलन्स गांधी निधि और सर्व सेवा संघ के पास भेजे जाय । | बजाजवाडी | 24-2-52 | 2 |
| (2) तालीमी संघ का 2लाख 30 हजार 785 का बजट । | बजाजवाडी | 27-4-52 | 3 |
| (3) तालीमी संघ का 2,59,920 रुपयों का | सेवाग्राम | 23-4-53 | 4 |
| (4) पूर्व बुनियादी से लेकर विश्वविद्यालय तक का शिक्षणक्रम तालीमी संघ बनावे | खादी ग्राम | 2-9-53 | 4-5 |
| (5) मगनवाडी का बालमंदीर महिलाश्रम के सुपुर्द | नई दिल्ली | 1-12-53 | 6 |
| (6) प्रदर्शनी फंड में से नई तालीम प्रदर्शनी को सीधे आर्थिक मदद क्यों भेजी गई ? | सर्वोदयपुरम् | 21-3-55 | 7-8 |
| (7) गांधी निधि से तालीमीसंघ को सीधे आर्थिक मदद क्यों भेजी गई ? | बेझवाडा | 12-12-55 | 7-8 |
| (8) तालीमी संघ का बजट गांधी निधि के पास भेजा । | अडोनी | 22-3-56 | 8 |
| (9) शिक्षा समिति गठित 12 सदस्यों की संयोजक धीरेंद्रभाई | '' | '' | 9 |
| (10) विद्यार्थियों में काम कैसे हो विनोबाजी के सुझाव । | आडोनी | '' | 10 |
| (11) तालीमी संघ भूदान में सहयोग दें : आवाहन । | कोरापुट | 8-3-57 | 11-12 |
| (12) ता० संघ का बजट गां० नि० को | अजमेर | 25-3-59 | 13 |
| (13) तालीमी संघ का सर्व सेवा संघ के साथ संगम तालीमी संघ का प्रस्ताव | जम्मू | 9-6-59 | 13-14 |


www.vinoba.in

| | स्थान | तारीख | टाईप पृ०नं० |
|---|---|---|---|
| (14) नयी तालीम का संगम के बाद का कार्यक्रम (सप्रविध) | सेवाग्राम | 25-8-59 | 14-16 |
| (15) नयी तालीम पत्रिका का संचालन | " | " | 16 |
| (16) सेवाग्राम की प्रवृत्तियाँ अण्णासाहबके जिम्मे (विनोबाजी के परामर्श से) | पठानकोट | 21-9-59 | 17 |
| (17) न० ता० परिसंवाद 17 नोव्हें० को | " | 25-9-59 | 18 |
| (18) " " 3 दिसंबर को | वाराणसी | 29-10-59 | 18 |
| (19) नई तालीम परिसंवाद | वाराणसी | 5-1-60 | 19 |
| (20) ग्रामदानी गावों में नई तालीम कार्य | सेवाग्राम | 19-3-60 | 19-20 |
| (21) महिलाश्रम में मैट्रिक की पढाई | वाराणसी | 10-5-60 | 20 |
| (22) मध्यप्रदेश में नई तालीम कार्यकर्ता संमेलन । | विश्वनीडम् | 27-10-60 | 21 |
| (23) नई तालीम अँडहाक समिति 5की (संयोजक राधाकृष्णन्) | गौलकाजि | 6-3-61 | 21 |
| (24) तालीमी संघ के हिसाब सर्व सेवा संघ के हिसाब में लेने बाबत रा० बजाज कारवाई करें । | सर्वोदयपुरम् | 12-4-61 | 22 |
| (25) तालीमी संघ का काम आगे कैसे बढे चर्चा शंकररावजी का सुझाव कान्फरन्स बुलाने का । | काशी | 13-8-61 | 23-24 |
| (26) पचमढी नई तालीम संमेलन | काशी | 2-11-61 | 25 |
| (27) तालीमी संघ का प्रश्न • विधिवत् हिसाब सर्व सेवा संघ क्यों नहीं लिये गये ? | मदुराई | 1-9-62 | 26 |
| (28) सेवाग्राम का ''मित्र समाज'' और ''सेवक समाज'' तालीमी संघ का काम देखेगा । | वाराणसी | 3-7-64 | 27 |
| (29) नायकमजी विदेश से वापिस आने के बाद तालीमी संघ के बारे में धीरेंद्र भाई मनमोहन भाई और बाबूलालजी तय करें । | वाईगाईडेम | 16-11-64 | 28 |
| (30) शिक्षा आयोग की सिफारिश | जयप्रकाश नगर | 5-7-66 | 29 |

www.vinoba.in

| | | | |
|---|---|---|---|
| (31) शिक्षा आयोग की सिफारिश पर गोष्टी | अहमदाबाद | 6-10-66 | 29-31 |
| - बापू कुटी स्मारक समिति (श्रीमन्नजी अध्यक्ष) | " | " | " |
| — समन्वय समिति | " | " | " |
| (32) [illegible] नई तालीम समिति का गठन जी. रामचंद्रन् अध्यक्ष, आचार्युलु मंत्री } कुल 5 पदाधिकारी | मधुबनी | 15-1-69 | 32 |
| (33) जर्मनी की संस्था के साथ वर्कशॉप करार की पुष्टि । उसके अनुसार अण्णासाहब आगे काम करें । | वाराणसी | 12-10-67 | 32 |
| (34) विश्वविद्यालयों में शिक्षा का माध्यम के लिये वंशीधरजी के संयोजकत्वमें 5 की समिति । | " | " | 34 |
| (35) सेवाग्राम नई तालीम समाज की योजना स्वीकृत — सेवाग्राम सेवक समाज का विसर्जन | " | " | 35 |
| (36) नयी तालीम समाज का रजिस्ट्रेशन | आबूरोड | 5-6-68 | 36 |
| (37) सेवाग्राम की जायदाद आश्रम प्रतिष्ठानको - | राजकोट | 25-7-68 | 37 |
| (38) नयी तालीम समिति का पुनर्गठन अध्यक्ष करें । | " | " | 38 |
| (39) नई तालीम कार्य रिपोर्ट | पूना | 17-3-70 | 38-41 |
| (40) केंद्रीय नई तालीम समिति का विधान | सावलीसोकर | 29-7-70 | 41 |
| (41) " " विधान स्वीकृत | सेवाग्राम | 1-10-70 | 42 |

प्रथम सदस्यों की अध्यक्ष जगन्नाथनजी मनोनीत करें ।

= = = = =

www.vinoba.in

तालीम

(सर्व सेवा संघ - रजि० नं०3)

(पटना— 9-4-62) (पृ०नं० 193)

चर्चा :- श्री० पाटणकर का निवेदन

नयी तालीम की आवश्यकता पर श्री० ग०उ० पाटणकर ने अपने भाषण में भार दिया और कहा :—

(1) ग्राम-स्वराज्य के कार्यक्रम में नये तालीम अनिवार्य है ।

(2) हमारी संस्थाओं में भी नयी तालीम विद्यालय चलाये जायँ।

(3) देशभर में 4-5 उत्तम बुनियादी और बुनियादी महाविद्यालय चलाने चाहिये ।

(4) सर्व सेवा संघ को 20-25 बुनियादी शालाओं का निरीक्षण मार्ग दर्शन, संरक्षण और समर्थन (मान्यता अपने हाथ में लेना चाहिये ।

इसी विषय पर श्री० सुमन बेंग ने नयी तालीम के महत्व का विश्लेषण करके निम्न सुझाव दिये :—

(1) लोक सेवक की निष्ठा में नयी तालीम की निष्ठा जोड़ी जाय ।

(2) ~~उत्त~~ सर्व सेवा संघ के कार्यकर्ता अपने बच्चों को नये तालीम स्कूल में ही शिक्षा दे ।

(3) उत्तर बुनियादी के आगे बच्चों की पढ़ाई के लिये बुनियादी महा विद्यालय तक की व्यवस्था हमको करनी चाहिए । पी० एस० डी० तक का भी कोर्स नयी तालीम का बनाना चाहिये ।

(4) सेवाग्राम में उत्तर बुनियादी और महाविद्यालय की योजना बनी है । जहाँ कार्यकर्ता अपने बच्चों को भेजें ।

= = = = = =

www.vinoba.in

यी तालीम)

(प्रबंध समिति रजि० नं०।)

(बजाजवाडी– 24-2-52) (पृ०नं० 25)

प्रस्ताव नं० 6 :- तालीमी संघ के टी॰ बी॰ हर माह गां॰ निधि और स॰ से॰ संघ के पास आवे॰ संघ का बजट स्वीकृत

.....

श्री॰ आर्यनायकम्‌जी, मंत्री तालीमी संघ का ता० 14-2-52 का पत्र पेश किया गया। जिसमें लिखा है कि तालीमी संघ का 1952–53 का अंदाज पत्रक गांधी स्मारक निधि के पास जल्दी भेजना चाहिये।

तय हुआ कि सर्व सेवा संघ ने अपने तथा जुडे हुअे संघों की गांधी निधी से मदद मिलने के बारे में जो निर्णय किया है उसमें यह बात स्वीकार करली गयी है कि सर्व सेवा संघ अपने तथा जुडे हुअे संघों के मासिक ट्रायल बॅलेंस गांधी निधी को भेजना रहेगा। अब तक तालीमी संघने अैसे मासिक ट्रायल बॅलेंस गांधी निधि को भेजने से अिनकार किया है। अिस दिशा में बिना मासिक ट्रायल बॅलेंस गांधी निधि को भेजे। सर्व सेवा संघ की मार्फत गांधी निधि की तालीमी संघ उचित नही होगा। अिसलियें प्रबंध समिति फिरसे तालीमी संघ की प्रार्थना करती है कि वे अपने ता० 1 अेप्रील 1951 के बाद के अब तकके मासिक ट्रायल बॅलेंस, गांधी निधि को भेजने के लिये, सर्व सेवा संघ को भेजे और बाद में भी भेजते रहे। टीपः प्रस्ताव नं० 5 और 6 का विषय प्रबंध समिति की ता० 23–1–52 की बैठक में रखा गया था। और उसका निर्णय अिन प्रस्तावों में लिखे मुताबिक ही हुआ था। परंतु मंत्रीजी ने फिर से विचार करने के लिये रख छोडना उचित समझा अिसलिये फिरसे अिस बैठक में विचार होकर पहली बैठक में किया गया निर्णय ही कायम रखा गया।

=.=.=.=.=.=

www.vinoba.in

(बजाजवाडी– 27-4-52) पृ०नं० 38

प्रस्ताव नं० 11 :- तालीमी संघ का बजट स्वीकृत

हिन्दुस्तानी तालीमी संघ का 1952-53 का रु० 230785, जमा की और उतने ही खर्च का नीचे लिखा बजट पेश किया गया और पसंद किया गया ।

| | | |
|---|---|---|
| | पूंजी गत खर्च, पूर्व बुनियादी प्रशिक्षण विभाग | |
| | 21500, 3500, | 25000 |
| | प्रौढ शिक्षा विभाग, ग्राम सेवा विभाग | |
| | 3000, 6400 | 9400, |
| | आनंद निकेतन बुनियादी विभाग | 5440, |
| 3000, | आनंद निकेतन स्कूल के उत्पादन से | |
| | आनंद निकेतन छात्रावास | 5820, |
| | उत्तर बुनियादी भवन | 38, 600 |
| 3000, | जोड | 84, 260 |
| 10000, | उत्तर बुनियादी भवन स्वावलंबन उद्योगों से | |
| 3000, | उत्तर बुनियादी भवन, विद्यार्थियों से या संस्थाओंसे | |
| | प्रकाशन विभाग | 20, 500, |
| 21000, | प्रकाशनों की अनुमानित बिक्री | 11, 200, |
| 7000, | नओ तालीम शिक्षा शुल्क | |
| 600, | नओ तालीम छात्रावास शुल्क केंद्रीय कार्यालय | 42, 950 |
| 1200, | केंद्रीय कार्यालय, मकान किराया | |
| | 300 | |
| | औषधि शुल्क , बैंक से ब्याज | |
| | 800 100 | |
| 72000, | मुख्य कीठार बिक्री और स्टॉक | |
| | मुख्य कीठार खरीदी ..... | 70, 000 |
| | सर्व सेवा संघ को लागू | 1, 875 |
| 101585 | गांधी स्मारक निधि केंद्रीय कार्यालय से सहायता | |
| 6400, | मध्य प्रदेश गांधी स्मा० लि० से ग्राम सेवा विभाग के लिये सहातया । | |
| 5000, | संमेलन होनेवाले प्रांत से सहायता | |
| 230785, | कुल जोडसे | 230, 785 |

www.vinoba.in

(सेवाग्राम— 23-4-53) (पृष्ठ नं० 67)

प्रस्ताव नं० 29 :- तालीमी संघ का बजट स्वीकृत

हिंदुस्तानी तालीमी संघ का 1953–54 का 2,59,920 ~~बसे-ब~~ दो लाख साठ हजार नसौ बीस रुपये ~~खर्च-का~~ खर्च का, तथा 1,05,970 अेक लाख पांच हजार नवसौ सत्तर रुपये जमा का और 1,53,950 अेक लाख तिरपन हजार नव सौ पचास रुपये की गांधी निधी से सहायता मांगनेवाला बजट पेश किया गया।

तय हुआ कि बजट पसंद किया जाय। और गांधी निधि से सिफारिश की जाय कि तालिमी संघ के लिये हर साल अेक लाख रुपयों की सहायता दी जाती है, पर अिससाल के लिये उपर लिखी 1,53,950 अेक लाख तिरपन हजार नव सौ पचास रुपयों की सहायता दी जाय। अेक लाख से अधिक दी गयी रकम कीअगले वर्षों के हिसाब में अॅडजस्ट कर लिया जाय।

=.=.=.=.=.=

(खादीग्राम— 2/9/53) (पृष्ठ नं० 76/ 75)

प्रस्ताव नं० :— चर्चा–5:- पूर्व बुनियादी से ग्राम विश्व विद्यालय तक का शिक्षणक्रम तालीमी संघ तैयार करें

....

समग्र विद्यालय के बारे में श्री अण्णासाहब सहस्त्रबुध्दे ने अपनी नोट पेश की और पुनर्रचना समिति में उस पर हुअी चर्चा की जानकारी सभा को दी। श्री विनोबाजी ने संघ के संघटन के स्वरूप के बारे में बोलते हुअे गांवों की पुर्नरचना के लिये संघ से जो अपेक्षा व्यक्त की है, उसको देखते हुअे समग्र ग्राम रचना के लिये कार्यकर्ता तैयार करना आवश्यक है। विचार विनिमय के बाद नीचे लिखा प्रस्ताव तैयार किया गया /——

www.vinoba.in

''सर्व सेवा संघ यह मानता है कि पूर्व बुनियादी, बुनियादी, अुत्तर बुनियादी और अुत्तम बुनियादी अिन चार अवस्थाओं में नअी तालीम का जो क्रम विकास है, वही राष्ट्रीय शिक्षा का सच्चा स्वरूप है।

लेकिन आज की राष्ट्रीय आवश्यकता को सामने रखते हुअे सर्व सेवा संघ यह मानता है कि आज ग्राम रचना के लिये कार्यकर्ता तैयार करना भी नयी तालीम का अेक आवश्यक कार्यक्रम है। अिसे अुत्तर बुनियादी और ग्राम विश्व विद्यालय का आवश्यक कार्यक्रम समझना चाहिये।

अिसलिये सर्व सेवा संघ तालिमी संघ से अनुरोध करता है कि अेक तात्कालिक और आवश्यक कार्यक्रम समझकर अेक शिक्षाक्रम (अभ्यासक्रम) तैयार करे और जल्दी से जल्दी अुसे अमल में लाने की कोशिश करे।''

=========

www.vinoba.in

(प्रबंध समिति रजि० नं० 2)

(नई-दिल्ली-1-12-53) (पृष्ठ नं० 3-4)

प्रस्ताव नं० 10 :— मगनवाडी का बालमंदीर महिलाश्रम को सुपुर्द

पुनर्रचना समिति में तय हुए अनुसार मगनवाडी की सारी शिक्षण प्रवृत्तियां अब सेवाग्राम में आ गयी है । बालवाडी की प्रवृत्ति वहां बची है । उस की व्यवस्था के बारे में तय हुआ कि मतिआश्रम में चलनेवाले बाल मंदिर को वह सौंप दी जाय । बाल मंदिर वह प्रवृत्ति पूर्व बुनियादी के अभ्यासक्रम की बुनियाद पर चलावें ।

उस बालवाडी के लिए अप्रेल 1954 तक के स्वीकृत बजट की शेष रकम में से आवश्यक सर्व की रकम बाल मंदिर को दी जाय । बाल मंदिर में आने वाले बालकों के लिए खादीधारी होना अनिवार्य है । आज बालवाडी में सारे बच्चें खादीधारी नहीं है । जिन बच्चों की जिम्मेवारी संघ पर है, ऐसा माना जाय, उन बच्चों को खादी धारी बनाने के लिए उपरोक्त रकम में से खर्च किया जाय । दूसरें बच्चों के लिए उनके पालकों पर जिम्मेवारी डाली जाय । साराश बाल मंदिर के खादी धारण के नियम का पालन मगनवाडी की बालवाडी में शुरु से ही किया जाय ।

बालवाडी के लिए लगनेवाला मकान और बगीचे का स्थान उपयोग के लिए बिना खर्चे से दिया जाय ।

आगामी साल के लिए रु० 1500) (एक हजार पांच सौ) मात्र तक की मदद दी जाय ।

= = = =

www.vinoba.in

(सर्वोदयपुरी-ओरीसा)
21-3-55

(पृष्ठ नं० 80)

प्रस्ताव नं० 16 :- प्रदर्शनी फंड में से 10 हजार नयी तालीम प्रदर्शनीपर खर्च किया जाय

...

नयी तालीम की दृष्टि से वस्तु संग्रह करना :-

पिछली नवंबर 1954 में प्रबंध समिति की बैठक में हुई चर्चा के अनुसार श्री आर्यनायकम्, मंत्री हिन्दुस्तानी तालीमी संघ द्वारा प्रदर्शनी की चीजों का संग्रह करने की दृष्टि से रु० 10000) का बजट पेश किया गया। नयी तालीम की दृष्टि से यह संग्रहालय बनेगा और वह मगन संग्रहालय के विभाग के रूप में उसी मकान में रखा जायेगा।

तय हुआ कि प्रदर्शनी फंड की अंकित निधि के रूप में जो रकम सर्व सेवा संघ के पास जमा है, उसमें से रु० 10000) इस काम के लिए खर्च किये जायं।

= = = = = =

(बेजवाडा—12-12-55)

(पृष्ठ नं० 119)

प्रस्ताव नं० 12 :- निधि से ता० संघ की रकम कैसे मिले अध्यक्ष व नायकमूजी तय करें।

हिन्दुस्तानी तालीमी संघ की ओर से आया हुआ तारीख 21 नवंबर 1955 का पत्र पेश किया गया जिसमें तालीमी संघ ने यह ~~जानना~~ जानना चाहा था कि निधि की ओर से उनको मिलनेवाली मदद जो पिछले वर्ष तक संघ के द्वारा उपलब्ध होती थी, इस वर्ष सीधे गांधी स्मारक निधि से प्राप्त हुई उसका क्या कारण है ? श्री आर्यनायकम् जी ने बतलाया कि तालीमी संघ की निधि से मिलनेवाली इस साल की मदद के पेटे सहायता की रकम उन्हें काफी देर से मिली। इस प्रकार उन्हें कई महीनों तक आर्थिक दिक्कत का सामना करना पडा। श्री नायकम जी का कहना रहा कि तालीमी संघ सर्व सेवा संघ से जुडी हुई(एफिलियेटेड) संस्था होने

www.vinoba.in

के नाते सर्व सेवा संघ को चाहिए था कि तालीमी संघ को दिक्कत न होने देने के ख्याल से उसे समय पर आर्थिक मदद पहुँचाता। श्री अण्णा साहब ने बतलाया कि पिछले साल भी इसी तरह की परिस्थिति में उन्हें तीस हजार रुपये हिन्दुस्तानी तालीम संघ को बतौर पेशगी दिया था पर वह रकम समय पर वापस नहीं हुई। इसके अलावा सेवाग्राम में कस्तुरबा अस्पताल के बगल की जमीन के संबंध में निधि तथा तालीमी संघ के बीच कुछ विचार चल रहा था। इसके कारण निधि से उस बारे में आवश्यक फैसला हो जाने तक सहायता की रकम रोक रखी थी पर कार्यवाही हो जाने के बाद श्री अण्णासाहब के कहने पर निधि ने सहायता की रकम तालीमी संघ को भेज दी। श्री धीरेन्द्र भाई ने यह भी बतलाया कि जुडी हुई संस्थाओं के बजट संघ के मार्फत निधि को भेजे जाते हैं। पर इस पर से उक्त
संस्थाओं के बजट संघ के मार्फत निधि को भेजे जाते हैं। पर इस पर से उक्त
संस्थाओं ~~के बजट संघ के मार्फत~~ की प्रवृत्तियों को चलाने के लिए आर्थिक मदद पहुँचाने की जिम्मेदारी संघ की नहीं मानी जा सकती। श्री कुमारप्पा ने सुझाया कि इस मामले में सर्व सेवा संघ के अध्यक्ष तथा तालीमी संघ के अध्यक्ष आपस में बातचीत कर लें और गलतफहमी हो उसे दूर करने की कोशिश करें।

=.=.=.=.=.=.=.=

(अहीनी— 22-3-56) (पृष्ठ नं० 134)

**प्रस्ताव नं० 14 :- ता० संघ का बजट गांधी निधि को**

हिन्दुस्तानी तालीमी संघ की ओर से आया हुआ आवर्तक खर्च अनावर्तक खर्च तथा भवन निर्माण के लिए दिये जाने की सिफारिश गांधी स्मारक निधि को करने का तय हुआ।

=.=.=.=.=.=

www.vinoba.in

(अडोनी— 22-3-56) (पृष्ठ नं0 28)

**प्रस्ताव नं0 28 :-** शिक्षा समिति 12 की संयोजक धीरेन्द्रभाई

भूदान आंदोलन की प्रगति के नतीजे से ग्राम निर्माण का प्रश्न अत्यंत महत्व का हो गया है। ग्राम निर्माण कार्य शिक्षा की बुनियाद पर ही सफल हो सकता है अतः इस संबंध के प्रश्नों पर विचार विनिमय, प्रयोग आदि तथा आवश्यक मार्गदर्शन करने के लिए नीचे लिखे व्यक्तियों की एक शिक्षा समिति नियुक्त की गई :—

(1) श्री धीरेन्द्रभाई (संयोजक)
(2) श्री आशादेवी आर्यनायकम्
(3) श्री बनवारीलाल चौधरी।
(4) श्री देवेन्द्रकुमार गुप्ता।
(5) श्री क्षितिशराय चौधरी।
(6) श्री के0 अरुणाचलम्।
(7) श्री द्वारका प्रसाद सिंह।
(8) श्री नारायण देसाई।
(9) श्री मनुभाई पंचोली।
(10) श्री दत्तोबा दास्ताने।
(11) श्री कृष्णदास गांधी।
(12) श्री शांत बहन नारूलकर।

= = = = =

www.vinoba.in

(अडोनी– 22-3-56) (पृ० नं० 144)

प्रस्ताव नं० 29 :— विद्यार्थियों में कार्य

...

विद्यार्थियों में सर्वोदय विचार प्रचार की दृष्टि से काम करने की आवश्यकता उत्तरोत्तर अधिक महसूस की जा रही है। विद्यार्थियों में काम किस दृष्टि से किया जाय इस पर चर्चा हुई। श्री विनोबाजी ने बताया कि 1— विद्यार्थियों का विचार स्वतंत्र कायम रहे।

2—उनमें चारित्र का विकास हो।

3— वे वृद्ध सेवा का महत्व समझें।

इस दृष्टि से विद्यार्थियों में हमारा काम होना चाहिए। विद्यार्थियों का कोई स्वतंत्र संगठन बनाने की आवश्यकता नहीं है बल्कि आज भी जो विभिन्न संगठन या यूनियनें बनी हैं यह सब विचार स्वतंत्र की दृष्टि से उचित नहीं है।

विद्यार्थियों में किए जानेवाले काम के कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। विभिन्न विचारों के अध्ययन की प्रेरणा देनेवाले कार्यक्रम के साथ-साथ शरीर श्रम प्रधान व राष्ट्र सेवा दल, महाराष्ट्र के सेवा पथक, भूदान पथक जैसे प्रत्यक्ष काम के कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाय। सफाई का काम कार्यक्रम का एक महत्व का अंग हो सकता है।

तय हुआ कि विद्यार्थियों में उपरोक्त दृष्टि से काम शुरू किया जाय।

= = = = =

www.vinoba.in

प्रबंध समिति रजि० नं० 3) (कोरापुट-8-3-57) (पृष्ठ नं० 14)

प्रस्ताव नं० 22 :- तालीमी संघ को भूदान में सहयोग देने का आवाहन

श्री आर्यनायकम् जी हिन्दुस्तानी तालीमी संघ की पिछली बैठक में उक्त संघ के कार्य के रूपांतर के बारे में स्वीकृत प्रस्ताव की जानकारी प्रबंध समिति को दी, तालीमी संघ का प्रस्ताव इस प्रकार है :—

18 जनवरी, 1957 को आचार्य काकासाहिब कालेलकर की अध्यक्षता में दिल्ली में हुई तालीमी संघ की बैठक में स्वीकृत प्रस्ताव :—

"पू० विनोबाजी के भूदान कार्य ने अब जो ग्रामदान का रूप पकड़ लिया है, उससे अहिंसात्मक समाज क्रांति राज्य सत्ता के द्वारा नहीं, किन्तु शिक्षा के द्वारा हो सकती है । इसलिये हिन्दुस्तान तालीमी संघ का कर्तव्य होता है कि इस क्रांति में यथा संभव सहयोग दें । -"

" पूर्व बुनियादी से उत्तर बुनियादी तक की अनुभव लेने के बाद और उसकी आवश्यकता राष्ट्र के सामने सिद्ध करने के बाद अब संघ का कर्तव्य है कि इस अहिंसक क्रांति में वह श्रद्धा के साथ प्रवेश करें । इसलिये हिन्दुस्तानी तालीमी संघ का भारतभर के सब नयी तालीम के कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि भूदान यज्ञ मूलक इस अहिंसक सामाजिक क्रांति में इस कार्य का भार जहां जहां सर्वोदय मंडलों ने अपने हाथ में लिया है उसके साथ पुरा पुरा सहयोग दें ।"

" श्री आर्यनायकम् जी ने बताया कि किस तरह भूदान आन्दोलन प्रगति के साथ-साथ तालीमी संघ के कार्यक्रम में आवश्यक बदल होता गया, और किस प्रकार तालीमी संघ के छात्रों और कार्यकर्ताओं ने भूदान आन्दोलन में योग दिया । भूदान आन्दोलन अब जिस अवस्था तक पहुंचा है उसके कारण और जैसे जैसे अब ग्राम दान होते जायेंगे त्यों त्यों कार्यकर्ताओं के शिक्षण का प्रश्न ज्यादा महत्व का होता जायेगा, और इसलिये तालीमी संघ ने अब अपनी पूरी शक्ति इस ओर लगाने का तय किया है । गांव में और गांवों की दृष्टि से तीन तरह का

www.vinoba.in

शिक्षण कार्य अब मुख्य होगा :—

(1) सर्वोदय के सिध्दांत को जिन्होंने ग्रहण किया है ऐसे उच्चस्तर के कारिगरों का शिक्षण।

(2) गांव में बैठ कर ~~पास — में~~ काम करने सकाने वाले ग्राम सेवकों का शिक्षण।

(3) गांव के लोगों और बालक — बालिकाओं का प्रशिक्षण।

यह काम भिन्न - भिन्न जगह इस समय नयी तालीम की जो संस्थाएं चल रही है उनके सहयोग से किया जायगा। हर प्रान्त में कम-से- कम एक ऐसी शिक्षण संस्था होनी चाहिये।

प्रबन्ध समिति ने तालीमी संघ के इस प्रस्ताव का हार्दिक स्वागत किया। श्री धीरेन्द्र भाई ने कहा कि हिन्दुस्तान में नई तालीम के जो लोग काम कर रहे है उन सबको तालीमी संघ के इस प्रस्ताव पर गंभीरता से सोचना चाहिये। श्री जयप्रकाशजी ने सर्वोदय की समग्र दृष्टि से कार्यकर्ताओं के शिक्षण पर जोर दिया। ~~उन~~ उन्होंने कहा कि ग्राम — कार्यकर्ताओं के सामने यह चित्र स्पष्ट होना चाहिये कि सर्वोदय की दृष्टि से गांव या सारा नक्शा कैसे होगा, गांव की क्या व्यवस्था होगी। इसके अलावा किसी एक विषय का ज्ञान उनको हो। नयी तालीम का काम ऐसे कार्यकर्ता तैयार करने का है। ग्रामदान, ग्राम संकल्प और ग्राम राज की रोशनी में शिक्षा का सारा नक्शा ही हमको बदलना होगा।

चर्चा के अन्त में तय हुआ कि हिन्दुस्तानी तालीमी संघ देश के ~~अ~~ चुने हुए नओ तालीम कार्यकर्ताओं का एक सम्मेलन बुलाये जिसमें तालीमी संघ के प्रस्ताव की रोशनी में नई तालीम का नया स्वरूप समझाया जाय और सबसे सहयोग की प्रार्थना की जाय।

=. =. =. =. =

www.vinoba.in

(अजमेर— 25-3-59) (पृष्ठ नं0 139)

प्रस्ताव नं0 10 :- ता० संघ का बजट

हिन्दुस्तानी तालीमी संघ, वर्धा का बजट सन् 1959–60 प्रबंध समिति के सामने रखा गया । तय हुआ कि अजट के अनुसार उनकी एक लाख रुपये की सहायता देने की सिफारिश गांधी स्मारक निधि से की जाय ।

= = = =

(जम्मू— 9-6-59) पृ0नं0 172

प्रस्ताव नं0 1 :— हिंदी ता० संघ का संघ के साथ संगम

...

ता0 20–21 मई को पठानकोट में हुई हिन्दुस्तानी तालीमी संघ की बैठक का नीचे लिखा स्वीकृत प्रस्ताव पढा गया और चर्चा के बाद संगम का स्वागत करते हुए वह स्वीकार किया गया । तय हुआ कि सर्व सेवा संघ की अगली बैठक में संगम के इस प्रस्ताव की स्वीकृति के लिए पेश किया जाय ।

''तालीमी संघ का प्रस्ताव''

.....

ता0 20 मई को पठानकोट में हुई तालीमी संघ की विशेष बैठक में विनोबाजी ने देश का वर्तमान परिस्थिति और सर्वोदय आंदोलन के विकास के संदर्भ में नई तालीमी के भावी स्वरूप और कार्यक्रम के बारे में अपने विचार सदस्यों के सामने रखे । संघ ने उन विचारों पर मनन किया और ~~उपस्थिति~~ उपस्थित सदस्यों के ~~सामने रखे । संघ ने उन विच~~ अभिमत और न आए हुए सदस्यों की ~~लिखि~~ लिखित रायों पर पूरी तौर पर विचार हुआ । तालीमी संघ एक मत से निर्णय करता है कि अब समय आया है कि तालीमी संघ और सर्व सेवा संघ का संगम हो और इस सम्मिलित शक्ति के द्वारा विनोबाजी के मार्ग-दर्शन में नई तालीमी का आगे कार्यक्रम नीचे लिखे उद्देश्यों को सामने रखकर बने:—

www.vinoba.in

(1) नई तालीम एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम बने ।

(2) ग्रामदान और ग्राम स्वराज्य की भूमिका में नई तालीम का नया विकास हो ।

(3) केन्द्रीय और राज्य सरकारों द्वारा नई तालीम का जो काम हो रहा है उस संबंध में समुचित सलाह ।

(4) नई तालीम की शिक्षण प्रवृति और शिक्षण शास्त्र का वैज्ञानिक - विकास करना ।

(5) सर्वोदय काम करनेवाली संस्थाओं की सब प्रवृत्तियों को नई तालीम का रंग हो ।

(6) देश की समग्र जनता की शांति की स्थापना के लिये और शांति कायम रखने के लिये तैयार करना ।

(7) जीवन में मूलभूत आध्यात्मिक श्रध्दा का विकास करना ।

= = = = = = =

(सेवाग्राम'— 25-8-59) पृ०नं० 187

प्रस्ताव नं० 3 :- नयी तालीम का आगे का कार्यक्रम

सर्व सेवा संघ और तालीमी संघ के संगम के संदर्भ में नई तालीम के आगे के कार्यक्रम के बारे में चर्चा हुई । विचित्र सुझाव आये । चर्चा होकर निम्न प्रस्ताव स्वीकृत किया गया :—

सर्व सेवा संघ ने अपनी जम्मू पूसा रोड बैठक में तालीमी संघ और सर्व सेवा संघके संगम का स्वागत करते हुए उस विषयक— प्रस्ताव का समर्थन किया और प्रबंध समिति को उस संदर्भ में नई तालीम के आगे के कार्यक्रम के संयोजन, संचालन का निर्देशन दिया है । प्रबंध समिति संगम प्रस्ताव के निम्न लिखित सप्रविध उद्देश्यों के अंतर्गतआरंभ के तौर पर साथ में दिए गये कार्यक्रम की सिफारिश करती है ।

www.vinoba.in

(क) संगम प्रस्ताव के सप्तविध उद्देश :-

(1) नई तालीम एक राष्ट्र व्यापी कार्यक्रम बने ।

(2) ग्रामदान और ग्राम स्वराज्य की भूमिका में नई तालीम का नया विकास हो ।

(3) केन्द्रिय और राज्य सरकारों द्वारा नई तालीम का जो काम हो रहा है, उस संबंध में समुचित सलाह ।

(4) नई तालीम की शिक्षण-पध्दति और शिक्षण-शास्त्र का वैज्ञानिक विकास करना ।

(5) सर्वोदय काम करने वाली संस्थाओं की सब प्रवृतियों को नई तालीम का रंग हो ।

(6) देश की समग्र जनता की शांति की स्थापना के लिए और शांति कायम रखने के लिए तैयार करना ।

(7) जीवन में मूलभूत आध्यात्मिक श्रध्दा का विकास करना ।

(ख) कार्यक्रम :-

(1) एक नई तालीम परिसंवाद का आयोजन नवंबर मास में किया जाय । परिसंवाद में नई तालीम के सभी पहलुओं पर विषदरूप से चर्चा हो । वह संवाद चार दिन का हो । श्री राधाकृष्णजी उस परिसंवाद का आयोजन करें ।

(2) देश के प्रमुख शिक्षा-शास्त्रियों की एक परिषद विनोबाजी की सुविधा के अनुसार उनके पास बुलाई जाय ।

(3) प्रदेश स्तर पर भी इस प्रकार की परिषद व गोष्टी का आयोजन हो जिससे नई तालीम की दृष्टि साफ हो और शिक्षा में दिलचस्पी रखनेवाली के साथ संपर्क स्थापित हो सके ।

(4) विशेष रूप से शहरों में ~~अभिभावक~~ अभिभावक मण्डल स्थापित किये ~~गये~~ जायं । इन मंडलों के द्वारा अभिभावकों में नई तालीम के विचार को स्पष्ट किया जाय । विशेष रूप से वह दृष्टि रखी जाय कि शिक्षण की जिम्मेदारी राज्य से अधिक उन लोगों की स्वयं की है और घर एवं समाज के अनुकूल वातावरण से ही शिक्षण का काम भी अच्छा होगा ।

www.vinoba.in

(5) आगे सर्वोदय सम्मेलन के समय ही उसके तुरन्त पहले या बाद की तारीखों में सुविधा देखकर नई तालीम का सम्मेलन भी बुलाया जाय ।

(6) "नई तालीम" पत्रिका चालू रहे ।

(7) आज देश भर में ऐसे विचार के लोग हैं जो अपने बच्चों को नई तालीम ही देना चाहते हैं । सर्व सेवा संघ की यह जिम्मेदारी हो जाती है कि उसकी व्यवस्था वह करे । अतः हर प्रदेश में संघ की नई तालीम के केंद्रों की संयोजनाका प्रयत्न करना चाहिए ।

(8) चुने हुए ग्रामदानी गाँव और ग्राम निर्माण क्षेत्र में समग्र नई तालीम का काम शुरू किये जाय और उसके लिए कार्यकर्ता ~~जुम~~ जुटाए जायें ।

= = = =

(सेवाग्राम– 25-8-59) (पृष्ठ नं० 188)

प्रस्ताव नं० 4 :— नई तालीम पत्रिका :-

~~नई तालीम~~ "नई–तालीम–पत्रिका" के जारी रखे जाने की चर्चा के सिलसिले में श्रीमती आशा देवी आर्यनायकम ने सुझाव दिया कि पत्रिका अभी तक तालीमी संघ के तत्वाधान में और उसकी मुख्य पत्रिका के रूप में चल रही थी । विभिन्न राज्यों के शिक्षा विभागों, शिक्षण संस्थाओं, ग्राहकों वगैरह की अमुक अपेक्षायें पत्रिका से थी । नये संदर्भ में पत्रिका सर्व सेवा संघ द्वारा चलाई जायगी । यह उपयुक्त होगा कि नये परिवर्तन की ग्राहकों को विशेष रूप से सूचना दे दी जाय । इसम्बन्ध में नीचे लिखे माफिक निर्णय किया गया :—

"नई तालीम" पत्रिका के सितम्बर के अंक में संपादक की ओर से जाहिर खबर कर दी जाय कि अब यह पत्रिका, तालीमी संघ की ओर से चलेगी । इस परिवर्तन के बाद यदि कारणवश कोई आगे पत्रिका नही रखना चाहे तो उसकी सूचना व्यवस्थापक को देने की कृपा करें ताकि उनका शेष शुल्क लौटाने की व्यवस्था की जाय " ।

www.vinoba.in

(पठानकोट– 21-9-59) (पृ0नं0 196)

प्रस्ताव नं0 1 :- अण्णासाहब के जिम्मे व्यवस्था

•••

सेवाग्राम की प्रवृत्तियां और वहां की व्यवस्था के बारे में प्रबंध समिति की सेवाग्राम बैठक में चर्चा हुई थी। उस सबकी जानकारी पूज्य विनोबाजी को कराने के लिये संघ के अध्यक्ष श्री धीरेन्द्र मजूमदार और मंत्री श्री अण्णा साहब सहस्त्रबुध्दे को निवेदन किया गया था। कार्यवश वे श्री विनोबाजी से मिल नहीं सके। इसी बीच श्री राधाकृष्णजी बजाज उनसे मिले थे और उन्होंने कुछ जानकारी कराई थी। श्री विनोबाजी को सेवाग्राम बैठक की इस सम्बन्धी विस्तृत जानकारी कराई गई थी। श्री विनोबाजी को सेवाग्राम बैठक कीइस सम्बन्धी जानकारी कराई गई।

श्री विनोबाजी ने सेवाग्राम की प्रवृत्तियों के भावी स्वरूप व ~~बक~~ वहां की व्यवस्था के प्रसंग में कहा कि सामान्यतः आगे अेक क्षेत्र विशेष को लेकर वहां समग्र दृष्टि से प्रवृत्ति व कार्य चलाने का विचार करना चाहिए। हर काम के लिये अंतर आधार और बहिं आधार दोनों आधार होने चाहिए। अंतर-आधार ~~ब्र-~~ ब्रम्ह विद्या मंदिर का ही हो सकता है और इसलिए ब्रम्ह विद्या का विकास होना चाहिए। बहिंआधार लोक सम्मति के सिवाय दूसरा नहीं हो सकता। लोक सम्मति का रूप सर्वोदय पात्र, सूतांजलि वगैरह अनेक प्रकार का हो सकता है। सेवाग्राम की प्रवृत्तियों और उनकी व्यवस्था के सिलसिले में भी अब पूरे वर्धा जिले की दृष्टि से सोचना चाहिये उदाहरणः — नये तालीम का कार्य सोचा जाय तो सेवाग्राम की बुनियादी शाला, आदर्श मराठी शाला हो तथा संतो की वाणी के आधार पर वह बने, अैसी अपेक्षा मैं करूंगा। इसी प्रकार वर्धा जिले को सर्वोदय जिला बनाने का प्रयत्न किया जाय और उसका केन्द्र या मध्यबिन्दु सेवाग्राम बने ऐसी हमारी कार्यक्रम की योजना होनी चाहिए।

तय हुआ कि श्री अण्णा सहस्त्रबुध्दे, सेवाग्राम और वर्धा के साथियों से सम्पर्क करके श्री विनोबाजी के परामर्शानुसार वहां के आगे के कार्यक्रम की योजना व संचालन करें। श्री अण्णा सहस्त्रबुध्दे ने श्री विनोबाजी की कल्पना को ध्यान में रखते हुये सेवाग्राम के काम की जिम्मेदारी उठाना स्वीकार किया।

www.vinoba.in

= = = = =

(पठानकोट— 25-9-59)

(पृष्ठ नं0 202)

प्रस्ताव नं0 4 :— नई तालीम परिसंवाद 17 नवंबर को

= = =

प्रबंध समिति की सेवाग्राम बैठक में स्वीकृत नई तालीम कार्यक्रम के संदर्भ में नई तालीम परिसंवाद ता0 17 से 20 नवम्बर 59 तक सेवाग्राम में बुलाने का निश्चय किया गया। श्री राधाकृष्णन् और श्री देवी भाई परिसंवादके संयोजन, उसकी व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में आवश्यक कार्रवाई करें।

= = = =

(वाराणसी— 29-10-59)

(पृष्ठ नं0 211)

प्रस्ताव नं0 12 :— नई तालीम परिसंवाद 3 दिसंबर को

• • • •

श्री धीरेन्द्रभाई की अस्वस्थता के कारण नई तालीम परिसंवाद की नवम्बर की तारीखों में स्थगित की गई है। परिसंवाद ता0 3, 4, 5 दिसंबर 59 को सेवाग्राम में रखा जाय।

= = = =

www.vinoba.in

(वाराणसी — 5-1-60) (पृष्ठ नं0 222)

प्रस्ताव नं0 9 :- नई तालीम परिसंवाद

नई तालीम के आगे के काम की दृष्टि से सर्व श्री अण्णा सहस्त्रबुध्दे, आर्यनायकम्, जयप्रकाश नारायण, धीरेन्द्र मजूमदार, राधाकृष्णन्, क्षितीशराय चौधरी, मनमोहन चौधरी और नारायण देसाई की एक समिति बनाई गई जो नई तालीम के आगे के काम की योजना तैयार करे और वह योजना प्रबंध समिति के सभी सदस्यों को परिपत्रित की जाय।

(प्रबंध समिति रजि0नं0 4)

(सेवाग्राम— 19-3-60) (पृष्ठ नं0 29)

प्रस्ताव नं0 24 :- नई तालीम कार्य ( ग्रामदानी गांवों में)

....

गत मयी 1958 में पठानकोट में सर्व सेवा संघ और हिन्दुस्तानी तालीमी संघ ने अपने काम की और अपनी संस्थाओं का संगम करने का निश्चय किया था। उस समय समूचे सर्वोदय आन्दोलन के सन्दर्भ में नयी तालीम के भावी कार्यक्रम की एक रूपरेखा तैयार की गयी थी। संघ ने उस कार्यक्रम को असली रूप देने के बारे में विचार किया है और निकट भविष्य में उसके लिए क्या कदम उठाये जाने चाहिये इस पर खास तौर से सोचा है।

नई तालीम का विचार अेक अलग कार्यक्रम के रूप में नहीं, बल्कि अेक अैसे तत्व के रूप में किया जाना चाहिये, जिसका तकाजा है कि सर्व-सेवा संघ के यदि, खेती, गो-सेवा, ग्रामोद्योग आदि सारे कार्यों का मूल्य लक्ष्य एक ही हो — मानव निर्माण। ग्राम स्वराज्य हमारा लक्ष्य है, लेकिन आर्थिक,

www.vinoba.in

सामाजिक, और राजनैतिक कार्यक्रम मुख्यतः शैक्षणिक कार्यक्रम होने चाहिये।

इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि अगले वर्ष के लिए सर्व सेवा संघ और प्रान्तीय सर्वोदय मण्डल अपने काम की योजना इन मुख्य लक्ष्यों को सामने रखकर बनायें।

=.=.=.=

(वाराणसी— 10-5-60) (मृ०नं० 50)

प्रस्ताव नं० 16 :— महिलाश्रम में ~~मैट्रिक~~ मैट्रिक की पढ़ाई

...

श्री राधाकृष्ण बजाज का ता० 7-5-60 का पत्र पढ़ा गया जिसमें उन्होंने श्री अण्णा साहब सहस्त्रबुद्धे और श्री धीरेन्द्र मजूमदार के बुनियादी शिक्षा संबंधी कुछ विभिन्न विचारों का उल्लेख करते हुए महिलाश्रम में मल्टीपर्पज या मैट्रिक की पढ़ाई शुरू करने के बारे में संघ की राय जाननी चाही।

राय रही कि श्री राधाकृष्णन् इस संदर्भ को समझकर श्री अण्णा सहस्त्रबुद्धे और श्री धीरेन्द्र मजूमदार से बात करके यदि आवश्यक हो तो अगली बैठक में विचारार्थ रखें।

=.=.=.=.=.=

www.vinoba.in

(विश्वनीडम- 27-10-60) (पृ०नं० 79)

प्रस्ताव नं० 12 :- नई तालीम कार्यकर्ता संमेलन मध्य प्रदेश में

....

श्री राधाकृष्णन् ने नई तालीम के संबंध में हुए काम की जानकारी दी। समिति ने अपनी सेवाग्राम की बैठक में नई तालीम के काम के लिए एक "संपर्क - समिति" का गठन किया था। उसकी ओर से एक गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें उत्तर बुनियादी तालीम को देशभर में एक सूत्र में आबद्ध करने, विद्यालयों की संगठित करने और उसका गुणात्मक विकास करने के लिये एक समिति नियुक्त करने के लिए सर्व सेवा संघ से निवेदन किया गया है। तय हुआ कि ऐसी समिति गठित की जाय। संपर्क समिति ने नई तालीम कार्यकर्ता सम्मेलन बुलाने का निश्चय किया है। मध्यप्रदेश सरकार ने इस प्रकार का सम्मेलन बुलाने का निश्चय किया है। मध्यप्रदेश सरकारने इस प्रकार का सम्मेलन करने का आमंत्रण दिया है। निश्चय हुआ कि संघ की ओर से इस प्रकार के सम्मेलन का आयोजन किया जाय और श्री राधाकृष्णन् इस काम को करें। उपर्युक्त जिस समिति के गठन का तय हुआ है उस संबंध में भी श्री राधाकृष्णन् आवश्यक कार्रवाई करें।

= = = = =

(गोलकगंज- 6-3-61) (पृष्ठ नं० 106)

प्रस्ताव नं० 22 :- नई तालीम अंडहॉक समिति

....

तालीमी संघ और सर्व सेवा संघ के संगम के समय नई तालीम के भावी कार्यक्रम-नीति के संबंध में श्री विनोबाजी ने सात सूत्र दिए थे। सर्व सेवा संघ के सारे काम को ही नई तालीम का रूप मिले और नई तालीम कोई अलग से एक काम है, ऐसी कल्पना न हो, इसलिए संगम हुआ तब इसके लिए खादी ग्रामोद्योग आदि समितियों जैसी अलग कोई समिति न बनाई जाय ऐसा भी विचार बना था। अभी तक उसी के अनुसार कार्य चला। श्री राधाकृष्णन् ने नई तालीम का जो थोडा-बहुत काम विभिन्न प्रदेशों में चल रहा है उसके कार्यकर्ताओं से संपर्क किया। उसकी तथा इस संबंध में उनके द्वारा किए गए अन्य

www.vinoba.in

कार्यक्रम वगैरह की जानकारी दी। यह भी जाहिर किया कि नई तालीम संबंधी कार्यक्रम के बारे में सोचकर सुझाव देने, उसे कार्यान्वित करने वगैरह के लिए समिति का बनाया जाना आवश्यक व उपयोगी होगा। संघ के सम्मुख इस विषयक कार्यक्रम इस प्रकार समिति के जरिए ही आ सकता है। तय हुआ कि निम्नलिखित समिति बनाई जाय :—

(1) श्री धीरेन्द्र मजूमदार। (2) श्री के० अरुणाचलम्

(3) श्री मूलशंकर भाई मो० भट्ट (4) श्री क्षितीशराय चौधरी।

(5) श्री राधाकृष्णन् (संयोजक)

यह समिति संघ अधिवेशन के समय नई तालीम संबंधी भावी नीति व कार्यक्रम के बारे में सुझाव रखें।

= = = = =

(सर्वोदयपुरम–12-4-61) (पृष्ठ नं० 129)

प्रस्ताव नं० 10 :— हिंदी ता० संघ का विधिवत संघ को हस्तांतरण

.....

सर्व सेवा संघ और तालीमी संघ का संगम हो गया है। ह/ तालीमी संघ के पुराने हिसाब और जायदाद पत्र अधिकृत जांच के बाद सर्व सेवा संघ के हिसाब में शामिल करने का काम अभी बाकी है। उस संबंध में चर्चा होकर तय हुआ कि तालीमी संघ का हिसाब आडिट कराके तथा तालीमी संघ के चेयरमैन के हस्ताक्षर लेकर उस हिसाब व जायदाद आदि को हस्तांतरित करने की कार्रवाई ट्रस्टी मंडल करें। हिसाबी विभाग का चार्ज कार्यालय मंत्री श्री श्यामाचरण शास्त्री और जायदाद का हिसाब प्रबंधक ट्रस्टी श्री राधाकृष्ण बजाज ले।

= = = =

www.vinoba.in

प्रस्ताव नं० 20 :- न०ता० का कार्य आगे कैसे बढ़े :-

.....

तालीमी संघ और सर्व सेवा संघ के संबंध में बाद की आनुषंगिक बातों की कार्रवाई संबंधी चर्चा करते हुए श्री आर्यनायकमूजी ने कहा कि तालीमी संघ का हिसाब ऑडिट होकर तालीमी संघ के चेअरमैन के हस्ताक्षर से सर्व सेवा संघ के पास अभी तक नहीं आ सके हैं। तालीमी संघ की जायदाद आदि के बारे में भी कानूनी कार्रवाई नहीं हुई है। इस काम को जल्दी किया जाना चाहिए।

श्री राधाकृष्ण बजाज ने जानकारी दी कि दस्तावेज पूरे होने आए हैं और ऑडिट भी पन्द्रह दिन के अंदर पूरे हो जाएंगे, उसके बाद चेअरमैन के पास ये भेजे जाएंगे।

श्री आर्यनायकमूजी ने नई तालीम कार्यक्रम की आज की स्थिति के संबंध में सवाल उठाया कि सर्व सेवा संघ और तालीमी संघ के बाद नई तालीम के काम के व्यापक होने और फैलने की कल्पना थी, लेकिन इस कल्पना के अनुसार कोई कार्यक्रम नजर नहीं आता, बल्कि गति कुंठित हो गई सी दीखती है।

श्री शंकररावजी ने कहा कि सर्व सेवा संघ में तालीमी संघ का संगम होने के बाद इस कार्य को चलाने के लिए स्वतंत्र कोई समिति हो या न हो इसकी चर्चा विनोबाजी के सामने हुई थी और उन्होंने आग्रह पूर्वक कहा था कि नई तालीम की कोई अलग समिति नहीं होनी चाहिए। उसी समय ~~सप्तसूत्री कार्यक्रम~~ सप्तसूत्री कार्यक्रम उन्होंने दिया जिसमें एक मुख्य सूत्र था कि सर्व सेवा संघ के सारे कार्य को नई तालीम का रंग चढ़े। अब वह रंग किस तरह चढ़ सकता है, इसके बारे में हम सब मिलकर चर्चा करें। मेरा सुझाव है कि उसके लिए एक स्वतंत्र सम्मेलन बुलाया जाय। नई तालीम के संबंध में हमारे भी कुछ विचार हैं। आगामी नई तालीम सम्मेलन में वह चर्चा शायद नहीं हो सकेगी। वहां हो सके तो जरूर हो, पर अच्छा यह है कि उसके लिए नई तालीम के काम में लगे कार्यकर्ताओं और सर्व सेवा संघ के लोगों की सम्मिलित कान्फरेन्स बुलाई जाय।

www.vinoba.in

श्री आर्यनायकम्‌जी ने तालीमी संघ की स्थापना से लेकर बाईस साल तक जो काम चला उसकी जानकारी देकर कहा कि तीन बातों की आवश्यकता वे मानते हैं :—

(1) सरकार की ओर से उत्तर बुनियादी उत्तीर्ण किए हुए लडकों के लिए जो रुकावट है, वह दूर होनी चाहिए और उनको कॉलिज आदि में प्रवेश मिलना चाहिए। काशी विद्यालया का उदाहरण इसमें अनुकरणीय है।

(2) सेवाग्राम में युनिव्हर्सिटी तक के शिक्षण का नई तालीम का पूरा चित्र दिखाने वाला एक मॉडेल विद्यालय चलना चाहिए। सेवाग्राम से पिछले 22 साल में सारे देश को जो प्रेरणा मिलती थी उस चीज को हमें खोना नहीं चाहिए।

(3) प्लेनिंग कमीशन ने तृतीय पंचवर्षीय योजना में शिक्षण का जो नक्शा पेश किया है, वह निकम्मा है। अमेरिका इंग्लैड और एशिया में जो ट्रेनिंग स्कूल्स हैं वे नई तालीम की दृष्टि से अधिक संतोषकर हैं। डॉ० शुमावर ने पंचवर्षीय योजना के संबंध में जो नोट लिखा है उसमें साफ कहा है कि भारत का ग्रामीण करण (विलेजायनेशन) होगा तभी वहाँ का अर्थशास्त्र ठोस बुनियाद पर खडा होगा।

श्री शंकररावजी ने कहा कि बापूजी की नई तालीम की कल्पना केवल स्कूलों तक मर्यादित नहीं थी। उनका कहना था कि नई तालीम जन्म से लेकर मृत्यु तक पूरे जीवन से संबंधित है। हमारे सारे कार्य को नई तालीम [illegible] का रंग चढे, ऐसा जब हम चाहते हैं, तब नई तालीम में हम कैसा समाज बनाना चाहते हैं, यहाँ से विचार की शुरुआत होगी। वह एक लम्बा विषय है और उसकी गंभीरता से चर्चा होनी चाहिए।

विचार होकर तय हुआ कि पूसा रोड में उपरोक्त नई तालीम कांग्रेस बुलाने का प्रबंध श्री राधाकृष्णजी यथाशीघ्र करें।

= = = = = =

www.vinoba.in

(काशी— 2-11-61) पृ०नं० 197

प्रस्ताव नं० 24 :- पचमढी नई तालीम संमेलन

श्री राधाकृष्णन् ने पचमढी के नई तालीम सम्मेलन की जानकारी देते हुए कहा कि नई तालीम के संबंध में वहां जो निर्णय किए गए उनका ''फालोअप'' करने की व्यवस्था क्या हो यह सोचना जरूरी है। महाराष्ट्र, केरल-, ओरिसा, आंध्र जैसे कुछ प्रदेशों की सरकारें नई तालीम के प्रति विशेष अनुकूल नहीं है।

श्री नवकृष्ण चौधरी ने कहा कि जिन प्रांतों की सरकारों ने नई तालीम का काम मंजूर किया है वहां भी खास गंभीरता से काम नहीं चल रहा है।

श्री शंकरराव देव ने कहा कि पचमढी सम्मेलन में डॉ० जाकिर हुसैन ने साफ शब्दों में कहा कि सरकार द्वारा आज जो नई तालीम चलती है वह एक ढकोसला (फ्रॉड) है। श्री रामचन्द्रन् समिति की रिपोर्ट में भी यही बात कही गई थी। हमारे कुछ साथी भी मानते हैं और कहते हैं कि सरकार ने नई तालीम का काम उठा लिया है। लेकिन दरअसल नई तालीम का चित्र क्या आज की सरकारी शिक्षा प्रणाली में दीखता है? क्या हमारे देश ने नई तालीम को मंजूर किया है? नई तालीम जिस समाज रचना की कल्पना करती है उसके कितने लोगों ने मान्य किया है ?

अब समय आया है कि सर्व सेवा संघ इस संबंध में स्पष्ट शब्दों में अपनी राय जाहिर करें।

विचार होकर तय हुआ कि श्री राधाकृष्णन् और श्री नायकमजी, श्री विनोबाजी से मिलकर इस संबंध में चर्चा करें और उसके आधार पर आगामी पूसा रोड की नई तालीम गोष्ठी में यह प्रश्न रखा जाय।

= = = = = = = =

www.vinoba.in

(प्रबंध समिति रजि० नं5)

(मदुराई- 19-62) (पृष्ठ नं० 41)

प्रस्ताव नं० 15 :- तालीमी संघ का प्रश्न

सेवाग्राम में 28 से 30 अगस्त तक नई तालीम के संबंध में जो गोष्ठी और चर्चा हुई उसका निचोड श्री० राधाकृष्णन् ने पढ़कर सुनाया। श्री० आर्यनायकम् ने कहा कि सेवाग्राम में नई तालीम का कार्य कैसे शुरू हुआ, वह कैसे और कहाँ तक बढा, तथा सर्व सेवा संघ के साथ तालीमी संघ का संगम होने के बाद नई-तालीम के संबंध में नई तालीम के परिवार की सेवाग्राम में क्या अपेक्षा है आदि जो बाते उन्होंने सेमिनार में रखी उसका जिक्र रिपोर्ट में नही आया है। वह होना चाहिए और सेमिनार के जो ठोस सुझाव थे उनको अधिक स्पष्टता के साथ रखना चाहिए।

इसी सिलसिले में श्री० आर्यनायकम् ने इस बात पर आपत्ति उठाई कि सर्व सेवा संघ के साथ तालीमी संघ के संगम को करीब 3 साल हुए लेकिन हस्तांतरण का कार्य अभी तक कानूनी तौर पर पूरा नही हुआ है। तालीमी संघ के आखिरी हिसाब, पिछले पचीस साल के रेकार्ड, सारी सामान वगैरह की लिस्ट बनाकर बाकायदा संघ के अध्यक्ष और मंत्री को तालीमी संघ के अध्यक्ष और मंत्री के हस्ताक्षर से सौंपने की कार्रवाई जब तक पूरी नही होती तब तक सर्व सेवा संघ तालीमी संघ की जायदाद आदि का जो विनियोग कर रहा है वह गैर कानूनी है।

तालीमी संघ की जायदाद और हिसाब का ~~बाकी~~ बाकायदा विधिवत हस्तांतरण सर्व सेवा संघ के नाम से हो जाना चाहिए यह बात सभी ने मंजूर की। चर्चा होकर तय किया गया कि—

(1) हस्तांतरण की विधवत कार्रवाई के लिए क्या-क्या बातें पूरी हो जानी चाहिए यह लिखित रूप से श्री० आर्यनायकम् संघ के मंत्री को सूचित करें।

(2) अभी तक हुई इस संबंधी कार्रवाई में क्या ठीक और क्या गलत हुआ तथा गलत को दुरुस्त करने के लिए क्या करना चाहिए यह भी श्री० आर्यनायकम् लिखित नोट के रूप में दे दें।

www.vinoba.in

नई तालीम के कार्य का संयोजन और मार्गदर्शन और ठीक ढंग से हो इसके लिए सर्व सेवा संघ की एक अखिल भारत नई तालीम समिति कायम की जाय । इस समिति के गठन की जिम्मेवारी संघ के अध्यक्ष श्री नवकृष्ण चौधरी को दी गयी । वे नई तालीम कार्य से संबंधित कुछ लोगों से बात व संपर्क करके तथा श्री विनोबाजी से सलाह करके समिति नियुक्त करें ।

= = = = =

(वाराणसी— 3-7-64) पृ०नं० 22।

प्रस्ताव नं० 16 :- सेवाग्राम का 'मित्र समाज' व 'सेवक समाज' तालीमी संघ का काम देखेगा ।

श्री आशादेवी की ओर से श्री राधाकृष्णन् की आया हुआ तारीख 6-4 का पत्र पढा गया । सेवाग्राम में ता० 6 अप्रैल, 1964 की जो नयी तालीम परिवार स्नेह सम्मेलन हुआ था उसमें स्वीकृत प्रस्ताव भी पत्र के साथ संघ के पास भेजे गये है ।

स्नेह सम्मेलन के प्रस्तावों के अलावा श्री विनोबाजी के सामने ''सेवाग्राम सेवक समाज'' और ''सेवाग्राम मित्र समाज'' इस तरह की दो योजनाएँ स्वीकृत हुई, उसकी भी जानकारी पत्र के साथ भेजी गयी है ।

(अ) सर्व सेवा संघ की मदुराई की बैठक में सेवाग्राम के कार्य संचालन के लिए श्री आर्यनायकमूजी के संयोजकत्व में 5 व्यक्तियों की जो समिति बनाई गई है उसके साथ सेवाग्राम सेवक समाज की नयी व्यवस्था का क्या सम्बन्ध रहेगा इसका स्पष्टीकरण पत्र में नहीं था । सेवाग्राम के दैनंदिन संचालन की और आर्थिक व्यवस्था की जिम्मेवारी सेवाग्राम सेवक समाज की रहेगी और उसके संयोजक श्री मुक्तीश्वरजी को बनाया गया है इतना ही पत्र में लिखा है ।

विचार होकर तय किया गया कि श्री आर्यनायकमूजी विदेश से वापिस आने के बाद इस सम्बन्ध में उनसे स्पष्टीकरण किया जाय । तब तक प्रबंध समिति द्वारा नियुक्त समिति पूर्ववत् रहेगी ऐसा माना जाय ।

आ० नई तालीम स्नेह सम्मेलन के प्रस्ताव के अनुसार एक समिति बनाई गई है जिसके अध्यक्ष आचार्य बद्रीनाथ वर्मा और संयोजक श्री श्रीमन्नारायण है । अन्य सदस्यों में सर्वश्री ठेबरभाई, काशीनाथजी त्रिवेदी, जुगतराम भाई, अन्सारी साहब, ठाकुरदास बंग, जी० रामचंद्रन् और डॉ० सुशीला नायर है ।

www.vinoba.in

इस समिति की कार्य मर्यादा सेवाग्राम के नई तालीम के प्रयोग के अलावा अन्य जगहों के लिए भी अपेक्षित या नहीं इसकी कल्पना पत्र में से नहीं आती है ।

विचार होकर तय किया गया कि इस सम्बन्ध का स्पष्टीकरण संबंधित लोगों से प्राप्त किया जाय ।

= = = = = = =

(वाईगाई डेम)
16-11-64

(पृष्ठ नं० 235)

प्रस्ताव नं० 16 :- नायकम्‌जी से मनमोहन, धीरेन्द्रभाई मित्तलजी मिले और काम के संबंध में तय करें ।

6 अप्रैल, 1965 (1964) को सेवाग्राम में नयी तालीम सेवक सम्मेलन संपन्न हुआ था और उसमें सेवाग्राम नयी तालीम कार्य के संबंध में कुछ निर्णय किये गये थे । उन निर्णयों के सम्बन्ध में प्रबंध समिति की 3 जुलाई 1964 की बैठक में विचार होकर तय किया गया कि श्री आर्यनायकम्‌ जी से स्पष्टीकरण होने के बाद आवश्यक निर्णय आदि करें ।

अब आर्यनायकम्‌जी और श्री आशादेवी विदेश से वापिस सेवाग्राम पहुँच गए हैं । इसलिए तय किया गया कि सेवाग्राम से संबंधित जितने प्रश्न उठे हैं उनके संबंध में श्री आर्यनायकम्‌जी से प्रत्यक्ष बात करके सर्वश्री मनमोहन चौधरी, धीरेन्द्र भाई और बाबूलाल मित्तल प्रबंध समिति को अपनी सिफारिशें दें ।

= = = = = = =

www.vinoba.in

(प्रबंध समिति रजि० नं06)

(जयप्रकाशनगर–5-7-66) (पृष्ठ नं0 5।

प्रस्ताव नं0 10 :- शिक्षा आयोग की सिफारिशें

केंद्रीय सरकार द्वारा नियुक्त शिक्षा आयोग ने अपनी सिफारिशें अंतिम रूप से भारत सरकार के पास भेज दी है। इन सिफारिशों के संबंध में सर्वोदय कार्यकर्ताओं और खास करके तालीम में दिलचस्पी रखनेवालों को सोचना चाहिये और अपना अभिप्राय जल्दी से जनता और सरकार के विचारार्थ प्रकट करना चाहिए। श्री० राधाकृष्णन् ने जानकारी दी कि इस संबंध में निम्न कार्रवाई करने के लिए संघ की नई तालीम स्टैंडिंग कमेटी को सुझाया है :–

(अ) शिक्षा आयोग की सिफारिशों की प्रति जल्द से जल्द प्राप्त करें। उस पर से अध्ययन के लिए एक संक्षिप्त विवरण तैयार किया जाय जिसमें केवल बुनियादी तालीम की ही बात नहीं, बल्कि कुल शिक्षण-विचार की दृष्टि से भी सिफारिशों की समीक्षा हो।

(आ) इस संक्षिप्त विवरण पर तालीम में दिलचस्पी रखनेवाले प्रदेशीय साथियों के साथ तथा नई तालीम के अनुभवी कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा हो।

(इ) इन सब चर्चाओं के आधार पर सितंबर महीने में संघ की नई तालीम समिति की बैठक बुलाकर शिक्षा आयोग की सिफारिशों के सम्बन्ध में नई तालीम समिति का अभिप्राय जाहिर किया जाय।

= = = = = = = =

(अहमदाबाद– 6-10-66) (पृष्ठ नं0 59

प्रस्ताव नं0 4 :- शिक्षा आयोग की सिफारिशों पर गोष्टी

सेवाग्राम में 15 जुलाई 66 को गांधी शताब्दी के कार्यक्रम के संदर्भ में गांधी स्मारक निधी और सर्व सेवा संघ की ओर से एक अनौपचारीक गोष्ठी सेवाग्राम में की संस्थाओं में और आश्रम के कुछ पुराने साथियों के साथ की गयी, उसकी जानकारी श्री० राधाकृष्ण ने दी। गोष्ठी में निम्न प्रश्नों पर विचार हुआ था।

www.vinoba.in

(1) सेवाग्राम में बापू-कुटी स्मारक के लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त समिति की स्थापना करना ।

(2) सेवाग्राम आश्रम की व्यवस्था •

(3) नयी तालीम की दृष्टि से सेवाग्राम में एक समग्र योजना बनाना ।

(4) सेवाग्राम के विभिन्न संस्थाओं और प्रवृत्तियों के समन्वय के लिए समिति का गठन ।

इस गोष्ठी में जो सर्व सम्मत निर्णय हुए वे पढ़कर सुनाए गये । श्री आर्यनायकम्‌जी के साथ मनमोहन भाई और कुछ साथियों की हुई चर्चाओं का भी जिक्र किया गया ।

इस संबंध में चर्चा होकर निम्न प्रकार निर्णय किये गयें ;—

(अ) मदुराई में गठित सेवाग्राम समिति का विसर्जन

तय हुआ कि मदुराई में हुए प्रबंध समिति की ता0 । सितंबर 62 की बैठक में सेवाग्राम की व्यवस्था के लिए जो समिति गठित की गयी थी, उसे विसर्जित किया जाय ।

(आ) नयी तालीम विद्यापीठ के लिए समिति :-

सेवाग्राम के नयी तालीम विद्यापीठ के संचालन की जिम्मेवारी सेवाग्राम में कार्यकर्ताओं के द्वारा स्थापित सेवक समाज समिति को दिया जाय। इस समिति का काम नयी तालीम विद्यापीठ का विकास, मार्गदर्शन तथा संचालन का होगा । इस समिति के अध्यक्ष श्री आर्यनायकम्‌जी होंगे । सेवक समाज के सदस्यों के अलावा श्री मनमोहन चौधरी, श्री के.एस. आचार्लु और श्री राममूर्ति सिंह को समिति के सदस्य के रूप में मनोनित किया जाय ।

(इ) बापू-कुटी स्मारक समिति :-

बापू-कुटी स्मारक की योजना के लिए निम्न समिति गठित की गयी:-

(1) श्री श्रीमन्नारायण —अध्यक्ष •
(2) श्रीमती आशादेवी आर्यनायकम्
(3) श्री अण्णासाहब सहस्त्रबुद्धे •
(4) श्री अण्णासाहब सहस्त्रबुद्धे •
(5) श्री उ0न0ढेबर •

www.vinoba.in

(6) श्री प्रतिनिधि – सर्व सेवा संघ

(7) श्री प्रतिनिधि - गांधी स्मारक निधि

(8) श्री प्रभाकर — मंत्री ।

यह तय किया गया कि गांधीजी और कस्तूरबा की कुटियों को आज के जैसा ही रखा जाय । इन कुटियों में इस्तेमाल किये गए बांस- बांस- लकडी- और, खपरैल आदि को समय-समय पर बदलना पडे या वैज्ञानिक रीति से सुरक्षित करना पडे वह किया जाय ।

इनके अलावा आदि निवास, आखिरी निवास, महादेव भाई कुटी और मशरूवाला कुटी को भी सेवाग्राम समिति के अन्तर्गत किया जाय । इन कुटियों में गांधीजी की जीवन प्रवृत्तियों और संदेश को दर्शाने की व्यवस्था हो । इन मकानों को धूल, दीमक , चुही आदि से बचने के लिए जो परिवर्तन करना आवश्यक हो, वो किया जाय । लेकिन उन मकानों के स्वरुप में कम-से-कम परिवर्तन किया जाय, इस बात का ध्यान रहे । महादेव देसाई और किशोरलाल मशरूवाला की लिखी हुई पुस्तकें रखी जायं । फिलहाल एकाध कुटी में प्रदर्शनी का आरंभ करें ।

सेवाग्राम स्मारक की देखभाल के लिए जो कार्यकर्ता रहेंगे, उनके निवास की व्यवस्था करनी होगी । गृहस्थ कार्यकर्ताओं के लिए या अतिथियों के लिए जो मकान बनाये जायेंगे, उनके लिए ~~आवश्यक~~ आश्रम के सामने पश्चिम की ओर जो जमीन है वह जमीन ली जाय । आश्रम में श्री चीमनलाल भाई और उनके साथी रहते है उनकी पूरी सुविधा का ख्याल रखा जाय । आज जो मकान उनके उपयोग में है उनके संबंध में उनकी अनुमति से निर्णय किया जाय।

(ई) समन्वय समिति :-

सेवाग्राम में आज कई संस्थाओं की प्रवृत्तियां चल रही है —

आश्रम, नयी तालीम विद्यापीठ, कस्तूरबा अस्पताल, रचनात्मक आर्थ अध्ययन केन्द्र और बुनाई अनुसंधान तथा प्रशिक्षण केन्द्र । इन संस्थाओं का आपसी संबंध बढ सके और आपस में अधिक से अधिक सामंजस्य हो, इस दृष्टि से श्री अण्णासाहब सहस्त्रबुध्दे के संयोजकत्व में इन संस्थाओं के प्रतिनिधियों को लेकर एक समन्वय समिति बनायी जाय ।

www.vinoba.in

(मधुबनी–15-1-67) (पृष्ठ नं0 76)

प्रस्ताव नं0 4 :- नयी तालीम समिति गठन

संघ के मंत्री श्री राधाकृष्ण ने नवंबर 22–23 की कुन्देश्वर में हुए नयी तालीम परिसंवाद की जानकारी देते हुए कहा कि परिसंवाद ने जो सुझाव एज्युकेशन कमीशन की रिपोर्ट पर प्रस्तुत किये उनकी देश के शिक्षाविदों शिक्षक–संगठनों और सरकार के पास भेजा गया है ।

नयी तालीम समिति का सुझाव था कि अखिल भारतीय पैमाने पर काम करने की दृष्टि से नयी तालीम समिति में संयोजकों के बदले अध्यक्ष, और मंत्री नियुक्त किये जाने की आवश्यकता है ।

विचार होकर तय हुआ कि नयी तालीम समिति पर निम्न पदाधिकारियों को नियुक्त किया जाय —

(1) श्री जी0 रामचन्द्रन् (अध्यक्ष)

(2) श्री के0 अरुणाचलम् (उपाध्यक्ष)

(3) श्री मनुभाई पंचोली (उपाध्यक्ष)

(4) श्री द्वारिकाप्रसाद सिन्हा (उपाध्यक्ष)

(5) श्री के0एस0 आचारुल (मंत्री)

नयी तालीम समिति के मौजूदा सदस्य यथावत् रहेंगे ।

= = = • = = = =

(वाराणसी– 12-10-67) (पृष्ठ नं0 121

प्रस्ताव नं0 12 :- जर्मन संस्था के साथ वर्कशॉप करार ।

श्री आर्यनायकम् जर्मनी के दौरे पर गये थे तब विद्यार्थियों की दृष्टि से और देहातियों की दृष्टि से खेती के छोटे औजार पांच एकड़ तक के फार्म के लिये सेवाग्राम विद्यालय को देने, उसका प्रशिक्षण करने आदि कार्य

www.vinoba.in

के लिये जर्मनी के लोगों ने अपनी मदद देने की तैयारी बतायी थी । उसके अनुसार 27 अक्टूबर 1966 को सर्व सेवा संघ की ओर से श्री आर्यनायकम् और जर्मनी के ''ब्यूरो फार इंटरनेशनल होता'' के बीच एक करारनामा हुआ है । जिसके अनुसार तंत्रज्ञ और मशीन के रूप में यह ब्यूरो मदद करेगा और सर्व सेवा संघ आगामी डेढसाल में 20 वर्कशाप खोलने की दृष्टि से मकान आदि की सुविधा और जर्मनी के तंत्रज्ञों के साथ सेवाग्राम के कार्यकर्ता प्रशिक्षण के लिये देगा । यह मुख्य बात एग्रीमेंट में थी ।

उपरोक्त एग्रीमेंट की पार्श्वभूमि श्री आशा देवी ने समझायी और एग्रीमेंट का स्वरूप श्री अण्णासाहब ने पढकर बताया । श्री अण्णा साहब ने सुझाया कि सर्व सेवा संघ के नाम से श्री आर्यनायकम् ने करार किया है इसलिये करारनामें को स्वीकृति देनी चाहिये और इस करार के अनुसार आगे जो प्लैन बनेगा उसको चलाने के लिये वर्धा जिला परिषद या ऐसे ही अन्य एजेन्सी के साथ बात करनी चाहिये ।

विचार होकर तय किया गया कि :—

(1) पश्चिम जर्मनी के साथ सर्व सेवा संघ की ओर से श्री आर्यनायकम् ने जो करार किया है, उसकी पुष्टि की जाय ।

(2) सेवाग्राम व्यवस्था समिति को अधिकार दिया गया कि उपरोक्त प्लान के संबंध में जर्मनी के तज्ञों के साथ चर्चा करके उसमें आवश्यकतानुसार परिवर्तन या संशोधन वह करे । समिति इसका भी ध्यान रखे कि इस प्लान के कारण सर्व सेवा संघ पर किसी तरह की आर्थिक जिम्मेवारी न आये ।

(3) श्री अण्णा साहब से विनती की जाय कि इस योजना को कार्यान्वित करने के लिये सर्व सेवा संघ की आर्थिक स्थिति का ख्याल करके अन्य संस्थाओं या विभागों की मदद से काम आगे बढाया जाय और यथाशीघ्र इस यूनिट और योजना को जिले की किसी सरकारी या गैर सरकारी संस्था के सुपुर्द करने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही की जाय ।

www.vinoba.in

(वाराणसी– 12-10-67) (पृष्ठ नं० 118)

प्रस्ताव नं० 7 :– विश्वविद्यालयोंमें शिक्षा का माध्यम :-

....

भारत की शिक्षा पध्दति के संबंध में कोठारी कमीशन ने अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की उसपर केन्द्रिय शिक्षा मंत्री ने देश के वाइस चांसलर को दिल्ली में बुलाकर इस विषय में क्या नीति तय की जाय इसके संबंध में चर्चा की। दसवीं कक्षा तक शिक्षा का माध्यम और ग्यारहवी से विश्वविद्यालय तक शिक्षा का माध्यम क्या हो, हिन्दी-भाषी प्रदेशों में क्षेत्रीय भाषा के अलावा – लिंक-लेंग्वेज( आन्तर प्रादेशिक-संपर्क भाषा) कौन सी हो, इस संबंध में श्री बंशीधर जी ने अपना नोट पढ़कर सुनाया। चर्चा में श्री जयप्रकाश जी और दादा धर्माधिकारी ने – भी हिस्सा लिया।

विचार होकर तय किया गया कि अन्य प्रदेश की खास करके तामिलनाड के सर्वोदय कार्यकर्ताओं से बात करके कुछ आम राय माध्यम के प्रश्न पर निश्चित की जाय। इस काम के लिये निम्न व्यक्तियों की समिति गठित की गयी :–

(1) श्री बंशीधर जी (संयोजक)
(2) श्री राममूर्ति भाई
(3) श्री के. अरुणाचलम्.
(4) श्री आचार्लु
(5) श्री एस. आर. सुब्रमण्यम्.

=.=.=.=.=.=

(पृष्ठ नं० 118)

प्रस्ताव नं० 8 :- सेवाग्राम नई तालीम समाज ;-

पिछले 31 अगस्त 1967 के सेवाग्राम में नयी तालीम के साथियों की अनौपचारिक बैठक बुलायी गयी थी। सेवाग्राम में नयी तालीम का काम आगे किस प्रकार का हो उसकी योजना बनाने के लिये एक समिति नियुक्त की गयी थी, जिसमें सर्व श्री राधाकृष्ण, मार्जोरी साइक्स, अण्णासाहब सहस्त्रबुध्दे, और क्षितीशराय चौधरी थे। उस समिति ने निम्न सुझाव पेश किये है।

www.vinoba.in

(1) नाम सेवाग्राम नयी तालीम समाज रहे।

(2) उद्देश्य वही होंगे, जो नयी तालीम में स्वीकृत किये गये है ।

(3) सेवाग्राम में चल रहे नयी तालीम के काम की देखभाल के लिए सर्व सेवा संघ एक व्यवस्था समिति नियुक्त करे, जिसमें सेवाग्राम सेवक समाज के कार्यकर्ता और अन्य मित्र भी हो । वर्ष भर में कम-से-कम एक बार इस समिति की बैठक सेवाग्राम में हो । वर्ष भर किये गये काम की और आगामी वर्ष के बजट तथा योजना की स्वीकृति समिति द्वारा हो ।

सेवाग्राम सेवक समाज के कार्यकर्ताओं की वहां की अंतर्गत व्यवस्था और सामूहिक जीवन तथा दैनंदिन कार्यक्रम चलाने के लिये स्वतंत्रता रहेगी । छोटे बच्चों से लेकर बड़े विद्यार्थियों तक के लिये शैक्षिक व्यवस्था की जिम्मेदारी उठाने के साथ-साथ सेवाग्राम सेवक समाज की ओर से शैक्षिक कार्यक्रम में विशेष भार ऐसे तांत्रिक प्रशिक्षण पर दिया जायेगा, जिनकी आवश्यकता देहात के एग्रो ~~इंडस्ट्रियल~~ इंडस्ट्रीयल विकास के लिये प्रतीत होती हो । आर्थिक व्यवस्था की पूर्ति सर्व सेवा संघ द्वारा नियुक्त की गई समिति के मार्फत की जायेगी । सेवाग्राम सेवक समाज अब तक के इस निर्णय को आगे चलायेगा कि ऐसी कोई सरकारी आर्थिक मदद या मान्यता नहीं ली जायेगी, जिसमें सरकारी नियंत्रण की पाबंदी- सेवाग्राम सेवक समाज पर आयेगी ।

उपरोक्त सुझावों पर विचार होकर तय किया गया कि—

(अ) इस योजना को स्वीकृति दी जाय ।

(आ) व्यवस्था समिति नियुक्त करने का अधिकार संघ के अध्यक्ष श्री मनमोहन चौधरी को दिया जाय । वे श्री आशादेवी से बात करके समिति के नामों की घोषणा करेंगे ।

प्रबंध समिति द्वारा ता० 8 से 11 अक्टूबर 66 तक की बैठक में प्रस्ताव सं० 4 (अ) द्वारा स्वीकृत किये गये सेवाग्राम सेवक समाज का विसर्जन किया जाय ।

www.vinoba.in

(आबूरोड— 5-6-68) (पृष्ठ नं० 142)

**प्रस्ताव नं० 9 :-** नई तालीम समाज रेजिस्ट्रेशन

• • • • •

सेवाग्राम नयी तालीम समाज की एक सुवतंत्र स्वायत्त संस्था के रूप में गठित करने के विषय में नयी तालीम समाज के सुझाव पर चर्चा होकर तय हुआ कि सेवाग्राम की स्थानीय नयी तालीम की प्रवृत्तियों को चलाने के लिये स्वायत्त संस्था गठित की जाय । इस संस्था के मेमोरंडम आफ असोशिएशन आदि तैयार करने का काम सर्वश्री नवकृष्ण चौधरी, प्रभाकरजी और बाबूलाल मीत्तल करें । नव-गठित संस्था को सर्व सेवा संघ के आवश्यक जमीन-जायदाद देने के संबंध में प्रबंधक ट्रस्टी आवश्यक कार्रवाई करें ।

= = = = = = =

(प्रबंध समिति रजिस्टर नं07)

(राजकोट- 25-7-69) (पृष्ठ नं0 29

**प्रस्ताव नं0 24 :-** सेवाग्राम की नई तालीम विद्यापीठ की जायदाद आश्रम प्रतिष्ठान को

सेवाग्राम नयी तालीम विद्यापीठ समिति की मंत्री श्री मार्जरी बहन का ता0 7 जुलाई, 69 का संघ के मंत्री के नाम आया पत्र पढा गया। मार्जरी बहन ने पत्र में उन कारणों की ओर इशारा किया जिनके कारण नयी तालीम विद्यापीठ समिति के सभी सदस्यों को त्याग पत्र देने का निर्णय करना पडा।

चर्चा के दरमियान बैठक के सामने जानकारी रखी गई कि सेवाग्राम नयी तालीम विद्यापीठ, सेवाग्राम आश्रम प्रतिष्ठान को सौंप देने के संबंध में आश्रम और नयी तालीम विद्यापीठ के कुछ साथियों में अनौपचारिक चर्चा हुई है। चर्चा में यह भी बताया गया कि सेवाग्राम के नयी तालीम का काम आगे चलता रहे, यह श्रीमनुजी की इच्छा है। आश्रम प्रतिष्ठान इस का काम की जिम्मेवारी लेले। ऐसी आशा देवी ने इच्छा प्रकट की एवं सर्व सेवा संघ नयी तालीम विद्यापीठ आश्रम प्रतिष्ठान के जिम्मे करने का निर्णय करें तो आश्रम प्रतिष्ठान वह जिम्मेवारी उठाने को तैयार है, ऐसा भी बताया गया है।

चूंकि आशा देवी एवं नयी तालीम समिति आश्रम प्रतिष्ठान को विद्यापीठ की जिम्मेवारी सौंपना चाहती है, एवं सेवाग्राम आश्रम प्रतिष्ठान उसे उठाने को तैयार है इस सारी परिस्थिति का विचार करके तय किया गया कि नयी तालीम विद्यापीठ की चल अचल संपत्ति के साथ उसे सेवाग्राम आश्रम प्रतिष्ठान को हस्तांतरित किया जाय। इस संबंध की कानूनी कार्रवाई प्रबंधक ट्रस्टी करें।

www.vinoba.in

प्रस्ताव नं० 29 :- नयी तालीम समिति का पुनः गठन : शिक्षण कार्य

• • • •

नयी तालीम समिति तथा सर्व सेवा संघ में निर्माण कार्य विषय पर श्री के एस. आचार्लु की ओर से प्राप्त पत्र पढा गया।

विचार होकर तय किया गया कि इन कामों को करने के लिए संघ के अध्यक्ष समिति का पुनः गठन करें।

= = = = =

(पूना — 17-3-70)　　　　　　　　　　　　　　　　(पृष्ठ नं० 74)

प्रस्ताव नं० 11 :-　　　　न. ता. समिति कार्य रिपोर्ट

• • •

सर्व श्री मनमोहन चौधरी के एस. आचार्लु, बंशीधर श्री वास्तव और राममूर्ति ने क्रमशः संघ की प्रशिक्षण समिति, नई तालीम समिति, आचार्य कुल समिति और ग्राम स्वराज्य समितियों के काम की जानकारी दी और आगे के काम की योजना रखी। इन समितियों के काम तथा आगे के कार्यक्रम के संबंध में लिखित नोट भी बैठक में प्रस्तुत किए गए।

(1) प्रशिक्षण समिति :-

प्रशिक्षण के लिए कुछ विषयों पर साहित्य तैयार करने का सोचा गया है और कुछ मित्रों ने उसका जिम्मा भी लिया है। प्रान्तों में प्रशिक्षण के लिए ट्रेनिंग कोर्स का — परिपत्रित किया गया था लेकिन कोई दिलचस्पी इस दिशा में दीखी नहीं। प्रादेशिक सर्वोदय मण्डलों से इस विषय में कोई जवाब नहीं मिले। श्री राममूर्ति ने बताया कि बिहार में कार्य कर्ताओं के दो तीन दिन के अल्पकालीन शिविर लिए गये। तमिलनाडु के बारे में श्री एस० जगन्नाथन् ने बताया कि वहां तीन और छै महिनों के प्रशिक्षण, की योजना बनी है। तीन महिने का सत्र हो चुका है। अप्रैल से फिर शुरू होगा।

www.vinoba.in

महाराष्ट्र के लिए वसंत बोबटकर ने बताया कि पूना के पास ही एक संस्थान इसके लिए बना है। 18 अप्रैल से बड़ा कार्यकर्ता प्रशिक्षण की विधीवत शुरुवात हो रही है। प्रशिक्षण के आगे के काम के संबंध में यह तय रहा कि खादी-ग्रामोद्योग आयोग पंचायत राज संस्थाएं तथा सर्वोदय मंडलों की ओर से प्रशिक्षण का जो काम चल रहा है, उनमें आपस में समन्वय हो। श्री अरुणाचलम और श्री मनमोहन चौधरी को इसकी जिम्मेवारी सौंपी गई। ग्रामदान का तत्व इन पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाय। राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण पर कुछ मुद्दों को लेकर श्री देवेन्द्र भाई ने प्रशिक्षण का जो कार्यक्रम उठाया है, उसके साथ भी अनुबंध किया जाना चाहिए। प्रदेशों को भी प्रेरित करने की आवश्यकता महसूस की गई। इस प्रसंग में गोविन्दपुर में फरवरी महिने में आदिवासी ग्रामदानी क्षेत्रों के विकास तथा उनकी समस्याओं पर जो परिसंवाद हुआ, उसकी जानकारी भी श्री प्रेम भाई ने कराई। इसी संदर्भ में गोविन्दपुर में प्रशिक्षण की दिशा में जो कार्य हुआ है उसकी जानकारी भी दी गई।

नई तालीम समिति :-

श्री आर्यनायकम ने बताया कि फरवरी में सेवाग्राम में श्री विनोबाजी के सानिध्य में केन्द्रिय सरकार की ओर से नई तालीम पर एक परिसंवाद हुआ था। उसमें मुख्य रुप से यह बात निकली कि राष्ट्रीय स्तर पर नई तालीम के लिए एक अलग से एक स्वैच्छिक संगठन बने यह उपयुक्त होगा। सरकार की ओर से यथा संभव उसमें सहायता देने की बात कही गई है। चर्चा होकर यह आम राय रही कि राष्ट्रीय स्तर पर एक नई तालीम संगठन (फेडरेशन) खड़ा किया जाय। इसमें नई तालीम के काम में लगी हुई विभिन्न संस्थाओं का इनवाल्वमेंट हो। संघ का उसमें नैतिक समर्थन प्राप्त हो। इसके संगठन के काम की जिम्मेवारी सर्व श्री के०एस० आर्यनायकम, अरुणाचलम और ब्रजभाई को सौंपी गई। इसी संदर्भ में एक नई तालीम परिवार बनाने का भी तय किया

www.vinoba.in

प्रदेश के वे साथी जो नई तालीम ~~परिवार बनाने का भी तय किया~~ के काम के बारे में रूचि रखते है, इसमें शामिल है । परस्पर वे मिलें और सोचे ग्रामदानी गावों की संख्या उत्तरोत्तर बढ रही है । यह परिवार इन गांवों की शिक्षा पध्दति के बारे में भी सोचें ।

(3) आचार्यकुल समिति :-

श्री वंशीधर श्रीवास्तव ने बताया कि बिहार, उत्तर-प्रदेश महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में आचार्यकुल के संगठन बन चुके है । कर्नाटक में श्री आचार्लु का प्रयत्न इस ओर जारी है । अन्य प्रदेशों में इस दिशा में विशेष प्रगति नही हुई है । समिति आचार्यकुल के मुख्यतः चार कार्यक्रम माने है : - वे (1) शिक्षण संस्थाओं कोदलगत राजनीति से मुक्त करने का सक्रिय काम करें । (2) शिक्षा की स्वायत्ता के लिए प्रयास करें (3) परिषदों में इकट्ठा होकर देश- विदेश की समस्याओं पर निष्पक्ष राय दें तथा (4) लोक शक्ति के निर्माण में सहकार करें और लोकनीति का निर्देशन करें । प्रथम तीनों कार्यक्रमों के बारे में प्रबंध समिति की सामान्य सर्व सम्मति रही लेकिन जहां तक लोकशक्ति के निर्माण में सहकार का प्रश्न है कुछ लोगों की राय रही कि आचार्यकुल ग्रामदान के कार्यक्रम से अपने को बोझिल नहीं बनावें । समिति के संयोजक ने कहा कि ग्राम स्वराज्य की प्रक्रिया में आचार्य कुल का इनवाल्वमेंट न हुआ तो आचार्यकुल से लोकनीति का उस प्रकार का निर्देशन संभव नही होगा और न ग्रामीण शक्ति के निर्माण में उस प्रकार की सहायता ही संभव होगी, जिसकी अपेक्षा श्री विनोबाजी करते हैं । इस पर यह राय रही कि यह इन्वालवमेंट किस सीमा तक हो, इस विषय की सफाई की आवश्यकता है और समिति के संयोजक इस बारे में श्री विनोबाजी से बात करके इस मुद्दे को स्पष्ट करें ।

4) ग्राम स्वराज्य समिति :-

समिति के संयोजक श्री राममूर्ति ने ग्राम स्वराज्य समिति के काम की जानकारी अपने प्रस्तुत नोट से कराई । इसी संदर्भ में उन्होंने

www.vinoba.in

निहार के काम, वहाँ के विवरण की स्थिति तथा उसमें और भी कठिनाइयाँ तथा आगे की व्यूह रचना की जानकारी दी ।

= = = = = = =

(साक्लोसीकर— 29-7-70) पृष्ठ नं0 99

प्रस्ताव नं0 7 :- केन्द्रीय नई तालीम समिति का विधान

नई तालीम समिति के संयोजक श्री के0एस0 आचार्लु ने बताया कि इस काम के लिए प्रबंध समिति द्वारा नियुक्त उपसमिति की ओर से तैयार किए गए नई तालीम संघ के विधान के प्रारूप को तैयार करते समय हिन्दुस्तानी तालीम संघ के विधान को सामने रखा गया है । इस संबंध में विस्तार से चर्चा हुई । यह बात मुख्य रूपसे सामने आई कि नई तालीम संघ का मुख्य उद्देश्य सर्व सेवा संघ की बुनियादी नीतियों और कार्यक्रम के अनुसार काम करना हो । नई तालीम संघ के अध्यक्ष, मंत्री और दो तीन सदस्य सर्व सेवा संघ द्वारा मनोनीत किए जायें । व्यवहारिक रूप यह होगा कि सदस्यों की नियुक्ति प्रथम बार सर्व सेवा संघ करें । श्री जयप्रकाशनारायण ने मुख्यतः इस बात पर बल दिया कि आज ग्रामदान के विकास से समग्रदृष्टि से नई शिक्षा का प्रवेश तथा उसके नए प्रयोग और अनुसंधान की तरफ विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । यह नई तालीम हमारे समाज की नई व्यवस्था को निर्माण की इकाई होनी चाहिए । ग्रामदानी गाँवों में ग्रामसभाएँ बन रही है । उनके संचालन के लिए कार्यकर्ताओं का केडर नयी तालीम से निर्माण होना चाहिए । नयी तालीम के उद्दयशों को आन्दोलन के साथ जोड़े बिना नयी तालीम का मतलब पूरा नहीं होगा । इस दृष्टि से नयी तालीम संघ के विधान की भूमिका में यह सब बातें समाविष्ठ की जानी चाहिए । अंतमें श्री के0एस0 आचार्लु के संयोजक में सर्व श्री शंकरराव देव, राधाकृष्ण, राममूर्ति, अरुणाचलम् और निर्मला देशपांडे को लेकर प्रबंध समिति ने ~~इस~~ एक समिति का गठन किया जो

www.vinoba.in

82

नए सिरे से नयी तालीम संघ के विधान का प्रारूप तैयार करें । समिति को दो अन्य लोगों को को-आप्ट करने का अधिकार दिया गया ।

= = = =

(सेवाग्राम— 1-10-70) (पृष्ठ नं० 113)

**प्रस्ताव नं० 8 :—** केन्द्रीय न० ता० समिति का विधान स्वीकृत, अलग रजिस्ट्रेशन हो अध्यक्ष द्वारा प्रथम सदस्य मनोनीत हो

...

पीकर प्रबंध समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार प्रबंध समिति द्वारा इस कार्य के लिए नियुक्त उपसमिति द्वारा तैयार किये गये नई तालीम समिति के विधान का प्रारूप श्री के.एस. आचार्लु ने प्रबंध समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया । श्री आचार्लु ने कहा कि इस प्रारूप की तैयारी में उप समिति को सदस्यों के अलावा इस विषय के अनुभवी तथा रुचि रखने वाले अन्य मित्रों की भी सलाह ली गई है ।

प्रबंध समिति ने प्रस्तुत विधान तथा नियमावली के सभी पहलुओं पर विचार किया और कुछ संशोधनों के साथ सर्व सम्मति से तय किया कि—

(1) विधान और नियमावली को स्वीकृति दी जाय। (स्वीकृत विधान और नियमावली परिशिष्ट में दी गई है।)

(2) प्रबंध समिति की ओर से श्री के०एस०आचार्लु समिति के पंजीकरण संबंधी आवश्यक कार्यवाई करें ।

(3) संघ के अध्यक्ष श्री एस० जगन्नाथन् को अधिकार किया गया कि वे समिति के प्रथम सदस्यों को मनोनीत करें ।

www.vinoba.in

= . = = = = =